Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्॥

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	Project on Rights	
Academic Session	2018-19	
Organizing Department/ Committee	Department of Political Science	
Total Number of Students Participated in the Project	20	
Brief Report	The Project entitled Rights was undertaken by the Department of Political Science during the session of 2018-19 under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total – students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator	Signature of & Stamp of Principal

IQAC Coordinator
Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya
Jaripatka, Nagpur

Principal
Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya
Jaripatka, Nagpur

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्॥

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
1	Akanksha R Mendole	B.A.	I
2	Amisha G Meshram	B.A.	I
3	Anchal S Thakur	B.A.	I
4	Anuprit D Saram	B.A.	I
5	Ashwini I Mohkar	B.A.	I
6	Gitika D Raut	B.A.	I
7	Janvi A Katarpawar	B.A.	I
8	Joshna R khandekar	B.A	I
9	Kajal B Yadav	B.A.	I
10	Kanchan S Choudhary	B.A.	I
11	KhushiRKhote	B.A.	I
12	Kamla J Sahu	B.A.	I
13	Lakmi R Shukla	B.A.	I
14	Lakshmi R Vishvakarma	B.A.	I
15	Madhu D Dhakad	B.A.	I
16	Neha S Gupta	B.A.	I
17	Preeti KOnkari	B.A.	I
18	Rushika M Borkar	B.A.	I
19	Sakshi A Pujari	B.A.	I
20	Siddhi M Huddar	B.A.	I

Front Page of Project

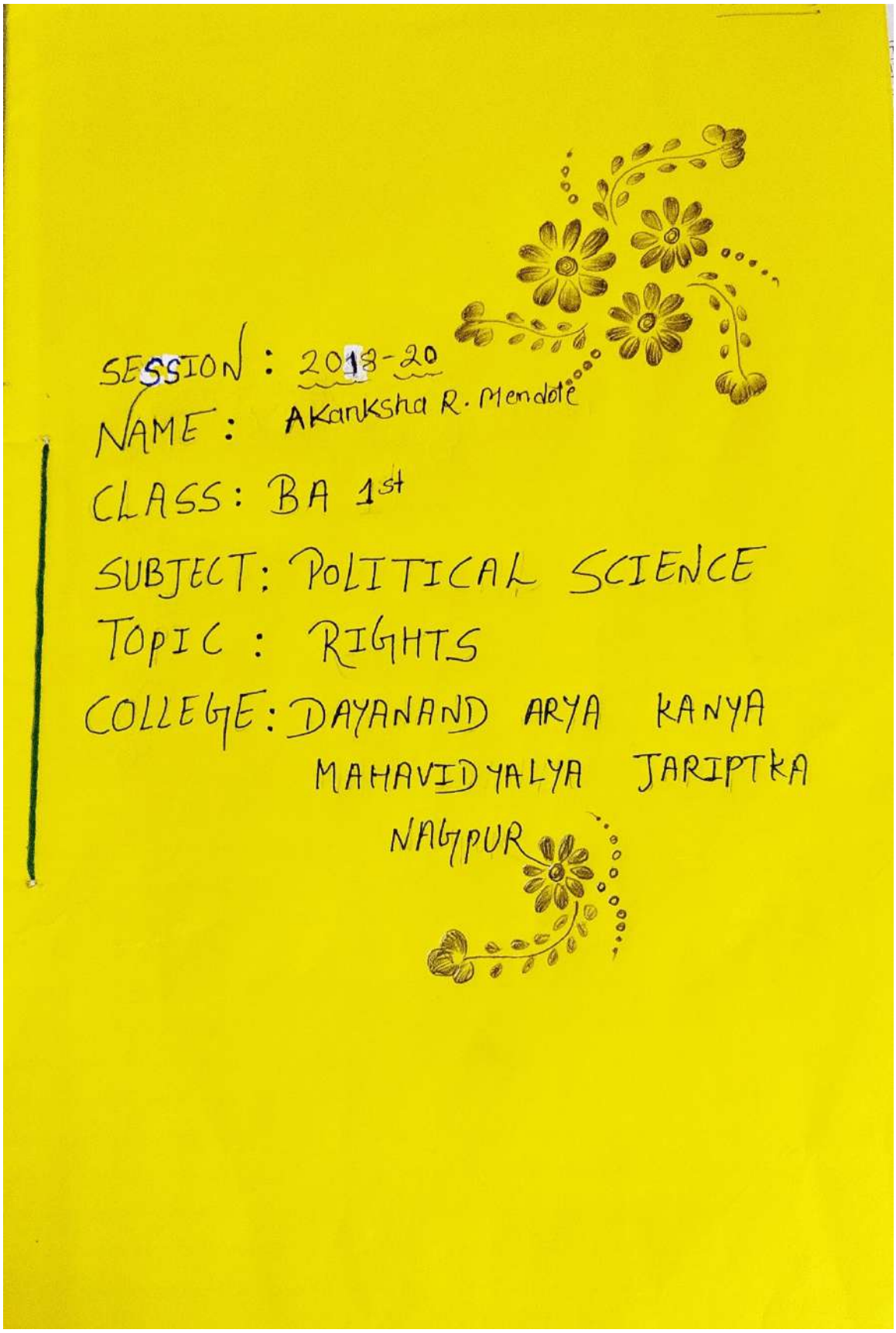

ओ३म्

ARYA VIDYA SABHA'S

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Jaripatka, Nagpur.

'Skill Development Course'

Organised By

Department of Political Science

CERTIFICATE

This is to certify that Ku. Akanksha R Mendole Student Of B.A. I participated in *"SKILL Development Short - Term Certificate Course"* from July 2018 to Nov 2019

Co-Ordinator	Principal
Principal	
Dr. Babita M Thool, Dept. of Political Science, DAKM, Nagpur	Dr. Shraddha Anilkumar, DAKM, Nagpur

Project Copy

विषय का चुनाव

अधिकार हमारे सामाजिक जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। जिनके बिना न तो व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकता है और न ही समाज के लिए उपयोगी कार्य कर सकता है। वस्तुतः अधिकारों के बिना मानव समाज के अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती है।

लोगों द्वारा सरकार से किए गए दावे जिन्हें समाज और कानून की सहमति प्राप्त होती है उन्हें हम अधिकार कहते हैं। अधिकारों का अर्थ एक समाज से दूसरे समाज में और एक काल से दूसरे काल में अलग हो जाता है।

देश के भीतर व्यापार और वित्तीय बाजार का विस्तार करने और प्रतिस्पर्धा के एवज में एशियाई देशों की सौदेबाजी शक्ति को बढ़ाने के लिए और बदले में वैश्विक बाजार में देश की आर्थिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाता है।

ये जाति, लिंग, राष्ट्रीयता, जातीयता, भाषा, धर्म या किसी अन्य स्थिति की परवाह किए बिना सभी मनुष्यों के लिए निहित अधिकार है। इसमें जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार, और बहुत कुछ शामिल है।

प्रस्तावना

हमारे लिए अधिकार प्रकृति या ईश्वर प्रदत्त है। हमें जन्म से वे अधिकार प्राप्त है। परिणामतः कोई व्यक्ति या शासक उन्हें हमसे छीन नहीं सकता। उन्होंने मनुष्य के अधिकार हमारे सामाजिक जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है जिनके बिना न तो व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकता है और न ही समाज के लिए उपयोगी कार्य कर सकता है। संक्षेप में अधिकारों के बिना मानव जीवन के अस्तित्व कि कल्पना नहीं कि जा सकती इस कारण वर्तमान समय में प्रत्येक राज्य द्वारा

अधिकाधिक विस्तृत अधिकार प्रदान किए जाते है।

अधिकार वे सामाजिक परिस्थितियां तथा अवसर है जो मनुष्य के व्यक्तित्व के उच्चतम विकास के लिए आवश्यक है। अधिकार उन सुविधाओं को कहते है जिनका उपयोग कर मनुष्य अपने जीवन को सुखी और सार्थक बना सकता है। जिस समाज मे नागरिक के जितने अधिक अधिकार स्वीकार कर लिए जाते है वह समाज उतना ही अधिक प्रगतिशील माना जाता है।

अर्थ

व्यक्ति के अधिकार वे दावे होते है। जिनको समाज द्वारा मान्यता प्राप्त होती है और जिन्हे राज्य संरक्षण प्रदान करता है। अधिकार मूल रूप से हकदारी अथवा ऐसा दावा है जिसका औचित्य सिद्ध्य हो। यह बताता है कि नागरिक, व्यक्ति और मनुष्य होने के नाते हम किसके हकदार है यह ऐसी चीज है। जिसे हम अपना प्राप्य समझते है ऐसी चीज जिसे शेष समाज ऐसे वैध दावे के रूप मे स्वीकार करे जिसका अनुमोदन अनिवार्य हो। प्रत्येक मनुष्य मे कुछ अंतर्निहित शक्तियां होती है इन शक्तियों के विकास हेतु वह समाज के सामने कुछ मांगे रखता है यह मांगे अनेक प्रकार की हो सकती है

कुछ नैतिक तथा सार्वजनिक कल्याण के हित में तो अन्य अनैतिक और पूर्णतः स्वार्थपूर्ण होती है। जो माँगे सरकार द्वारा स्वीकार कर ली जाती है वे अधिकार कहलाती है

भारत के संविधान में छह अधिकार प्रदान किए गए है।

1 समता का अधिकार
2 स्वतंत्रता का अधिकार
3 शोषण के विरुद्ध अधिकार
4 धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार
5 संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार
6 संवैधानिक उपचारों का अधिकार

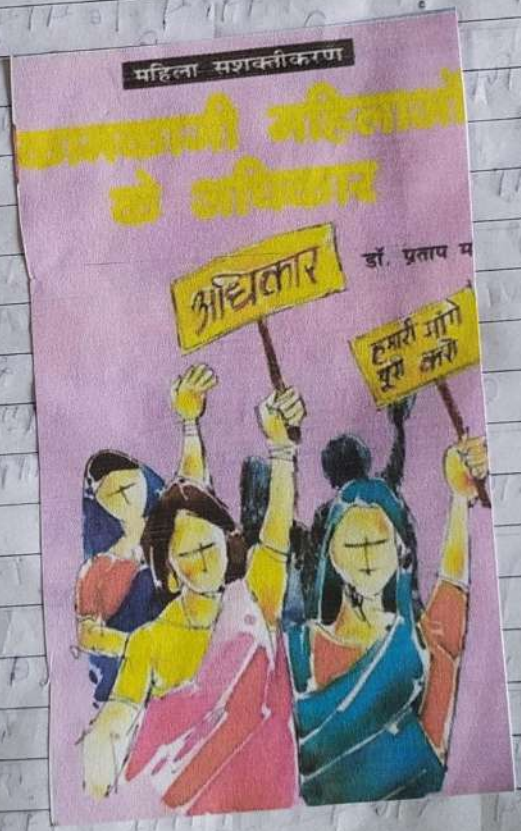

परिभाषा

1 पाइल्ड : " अधिकार कुछ विशेष कार्यों को करने के लिए स्वतन्त्रता युक्तिसंगत माँग है। "

2 लास्की : " अधिकार सामाजिक जीवन वे परिस्थितियाँ है जिनके बिना सामान्यत: कोई व्यक्ति अपना पूर्ण विकास नहि कर सकता है। "

3 सालमंड : " सत्य (न्याय) के द्वारा रक्षित हित ही अधिकार है कोई भी हित, जिसका आदर करना कर्तव्य और जिसका उल्लघंन अनुचित हो. अधिकार कहलाता है। "

4 ग्रीन : " अधिकार वह शक्ति है जिसकी माँग लोककल्यान के लिए की जाती और जिसे इसी आधार पर मान्यता भी प्राप्त होती है। "

5 बार्कर : " अधिकार वे बाहरी परिस्थितियाँ है जो व्यक्तित्व के अधिकतम विकास के लिए आवश्यक है और जिनकी उपलब्धि राज्य द्वारा संरक्षित होती है

प्रकार

उदारवादी लेखक अधिकारो को दो वर्गों मे विभाजित करते है।

1. नैतिक अधिकार
2. वैधानिक अथवा कानूनी अधिकार

वैधानिक अधिकार के दो प्रकार होते है।

1. सामाजिक अधिकार
2. राजनीतिक अधिकार

अधिकार

- नैतिक अधिकार
- वैधानिक / कानुनी अधिकार
  - सामाजिक अधिकार
    - व्यक्ति स्वतंत्रता का अधिकार
    - जिवन जिने का अधिकार
    - संपति का अधिकार
    - विचार एंव अभिव्यक्ति स्वतंत्रता का
  - राजनीतिक अधिका
    - मतदान का अधिकार
    - निर्वाचित होने का अधिकार
    - सार्वजनिक प प्राप्त करने का अधिकार
    - सरकार को पदमुक्त करने का

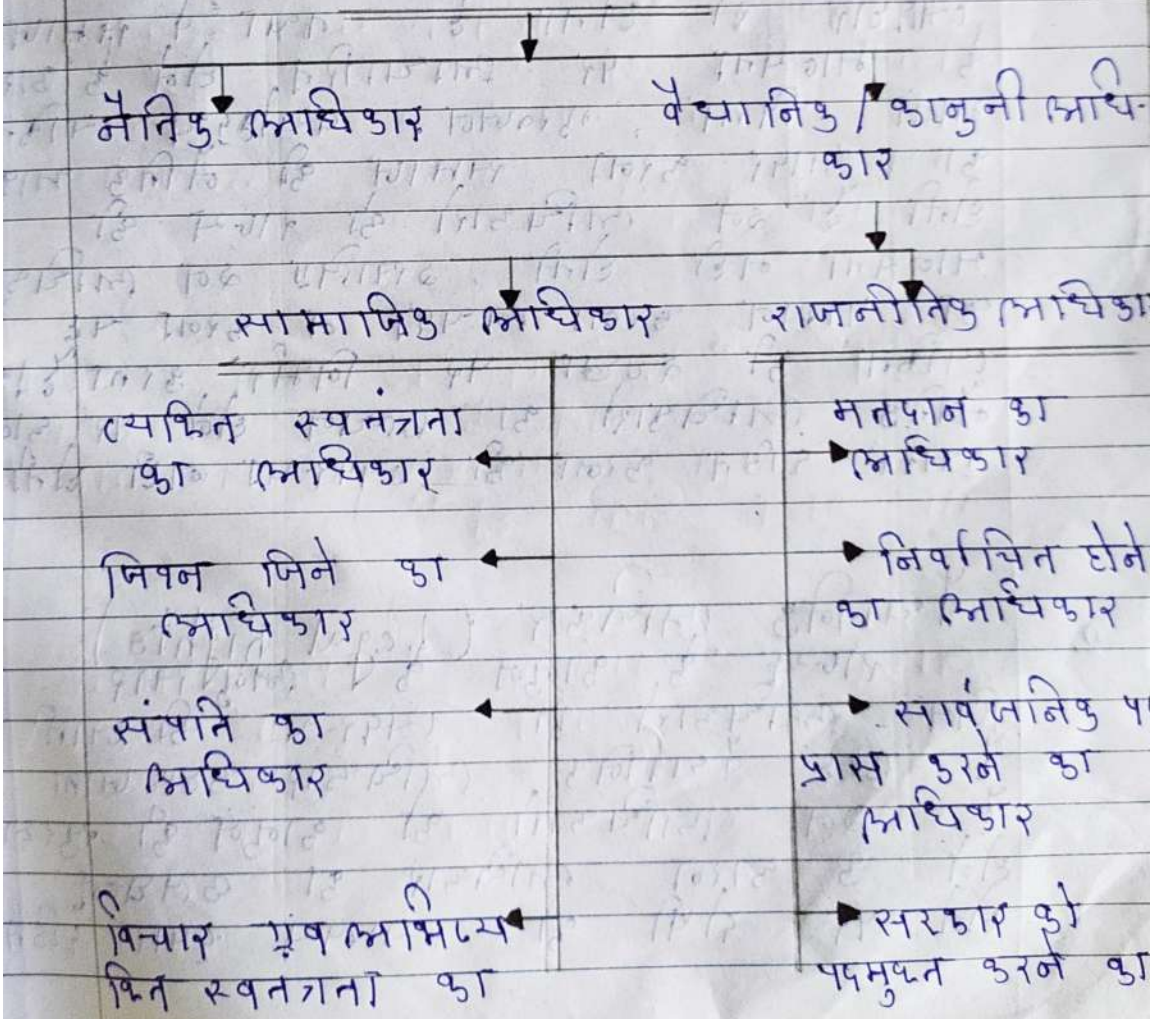

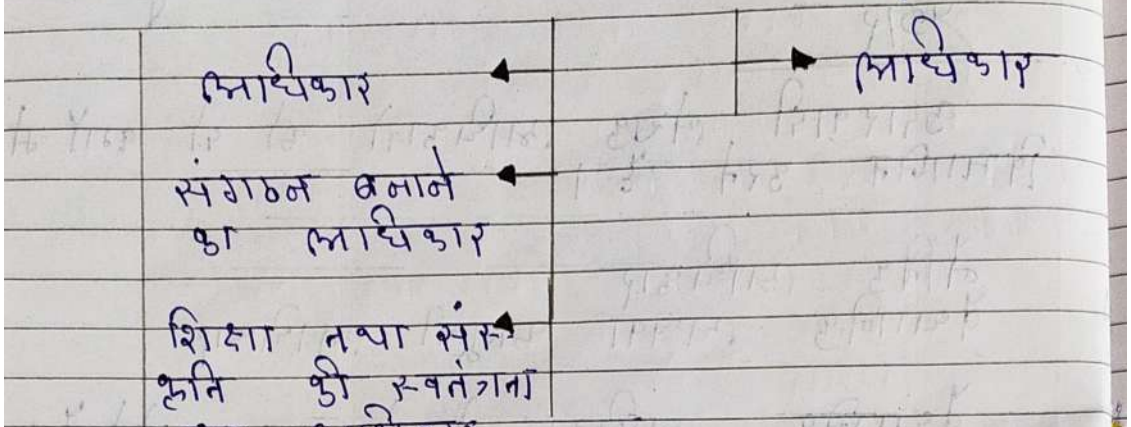

अधिकार ← | → अधिकार

संगठन बनाने का अधिकार ←

शिक्षा तथा संस्कृति की स्वतंत्रता का अधिकार ←

1 नैतिक अधिकार (Moral Rights)
नैतिक अधिकार वे अधिकार होते है। जिनका संबध नैतिक व्यवहार से होता है तथा वे समाज के मान्यता पर आधारित होने के कारण माता - पिता, गुरुजन, वयोवृद्ध व्यक्ति का आदर करना समाज की नैतिक भाव होती है इन अधिकारो को राज्य की मान्यता नही होती, इसलिए इन अधिक का पालन करना अथवा न करना यह व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है। नैतिक अधिकारो का उलंघन होने पर का द्वारा दंडित करना की व्यवस्था नही होती

2 वैधानिक अधिकार (Legal Rights)
राज्य के कानुन के अनुसार जिन अधिकारो की व्यवस्था की जाती है उन्हे वैधानिक अधिकार कहा जाता है इन अधिकारो को कानुन की सुरक्ष होने के कारण अधिकार का उलंघन होने पर दोषी को न्यायालय द्वारा दंडि

निष्कर्ष

मानव अधिकार वैसे अधिकार है जो हमारे पास इसलिए है। क्योंकि हम मनुष्य है। राष्ट्रीयता लिंग, राष्ट्रीय या जातीय मूल, रंग धर्म, भाषा या किसी अन्य स्थिति की परवाह किये बिना ये हम सभी के लिए सार्वभौमिक है।

मानव अधिकार व्यक्तियों दिए गए मूल अधिकार है, जो सामान्यतः हर जगह समान है। प्रत्येक देश किसी व्यक्ति की जाति पंथ, र

संदर्भ

राजनीतिक सिद्धांत एवं
राजनीतिक पाश्चिमात्य
विचार

=> डॉ अमर बोंदरे